0117CH22

22. हाथी चल्लम चल्लम

हल्लम हल्लम हौदा, हाथी चल्लम चल्लम,
हम बैठे हाथी पर, हाथी हल्लम हल्लम।

लंबी लंबी सूँड़ फटाफट, फट्टर फट्टर
लंबे लंबे दाँत खटाखट, खट्टर खट्टर।

भारी भारी मूँड़ मटकता, झम्मम झम्मम,
हल्लम हल्लम हौदा, हाथी चल्लम चल्लम।

© NCERT not to be republished

पर्वत जैसी देह थुलथुली, थल्लल थल्लल
हालर हालर देह हिले, जब हाथी चल्लल
खंभे जैसे पाँव धपाधप, बढ़ते घम्मम,
हल्लम हल्लम हौदा, हाथी चल्लम चल्लम।

हाथी जैसी नहीं सवारी, अग्गड़-बग्गड़
पीलवान पुच्छन बैठा है, बाँधे पग्गड़
बैठे बच्चे बीच सभी हम, डग्गम डग्गम,
हल्लम हल्लम हौदा, हाथी चल्लम चल्लम।

दिनभर घूमेंगे हाथी पर, हल्लर हल्लर
हाथी दादा, ज़रा नाच दो, थल्लर थल्लर
अरे नहीं, हम गिर जाएँगे घम्मम घम्मम,
हल्लम हल्लम हौदा, हाथी चल्लम चल्लम।

© NCERT not to be republished

हाथी मेरे साथी

बताओ तो जानें!

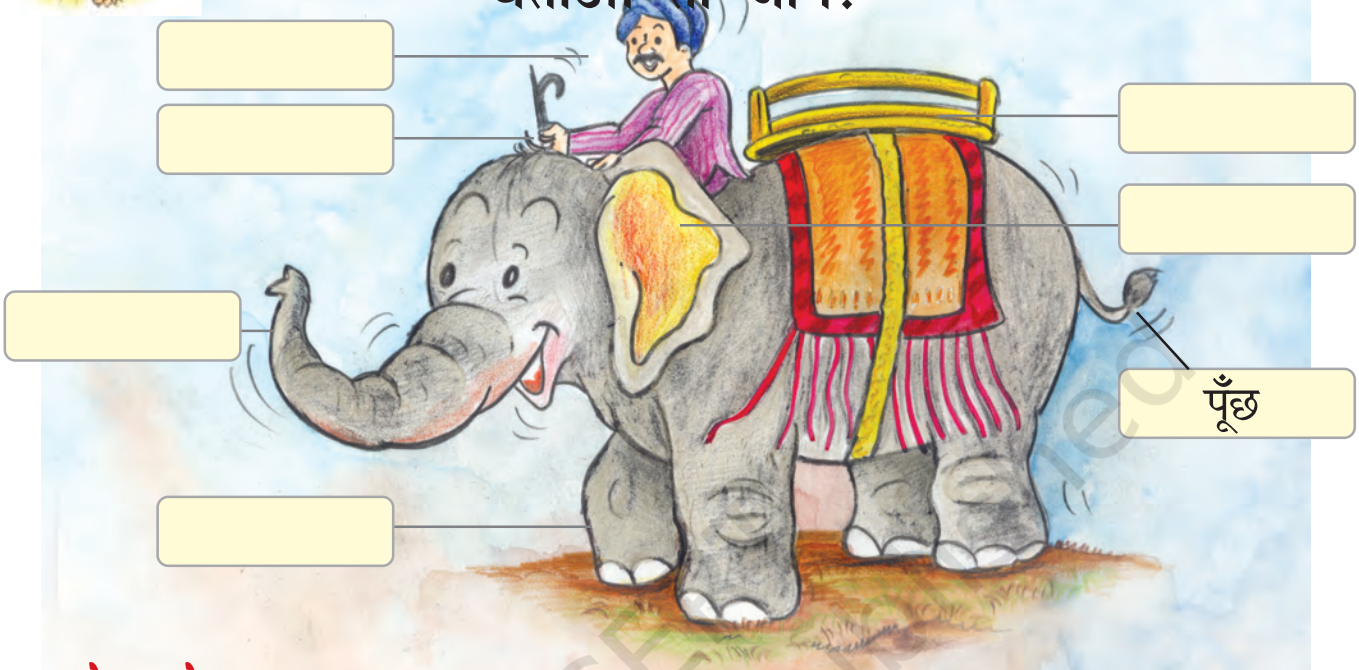

कौन कैसा?

कविता पढ़कर बताओ।

हाथी चल्लम ..... चल्लम

सूँड़ .....

.... दाँत

.... सूँड़

देह .....

पाँव .....

बच्चे .....